ISSN:2349-7858

Available online at http://www.sajms.co.in/index.php/sajms

South Asia Journal of Multidisciplinary Studies SAJMS December 2020, Vol. 6, No 11

" विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का आधुनिक भारतीय समाज पर प्रभाव "

योगेन्द्र जैन

जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर (मध्यप्रदेश)

सारांश

समाज का स्वरूप व्यापक है समाज के अध्ययन में हम सामाजिक संबंध एवं सांस्कृतिक गठनायें साथ ही मनुष्य के अन्त क्रियाओं, समुदाय, सामाजिक, सम्पर्क आदि को केन्द्र में रखते हुए मनुष्य के समस्त क्रियाकलापो का अध्ययन समाज के परिप्रेक्ष्य के अंतर्गत किया जाता है आधुनिक समाज विज्ञान और प्रोद्योगिक का युग है मानव जीवन की हर छोटी बडी घटना, आवश्यकता का संबध विज्ञान प्राद्योगिकी से जुडा है इसका प्रभाव भारतीय आधुनिक समाज में ही नही बल्कि विश्व के आधुनिक समाज मे देखने को मिलता हैं

प्रस्तावना:–प्रौद्योगिकी में संचार, सम्प्रेषण आदि देनिक जीवन से जुडे सभी क्षैत्रो को गति प्रदान की विज्ञान तथा प्रोद्योगिक के क्षैत्र में आए क्रांति में आज समुचे विश्व के परिदृष्य को बदल दिया पुरी दुनिया एक विश्व ग्राम में तब्दिल हो रही है परन्तु इसके साथ साथ कुछ सामाजिक जीवन में होने वाले बदलाव चिन्ता का विषय है इलेक्ट्रोनिक उपकरणों के मेल मिलाप होने से भावात्मक रिश्तो पर इसका प्रभाव देखा जा रहा है किन्तु फिर भी समुचे स्तर पर यही कहां जा सकता है कि आज हम प्रौद्योगिकी समाज की संकल्पना और आधुनिक भारतीयों समाज निर्माण की और तैजी से अग्रसर है आधुनिक समाज का निर्माण समाज में वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकी चेतना के प्रचार–प्रसार के बिना संभव नही हैं

आदिकाल से ही समाज में मानव ने विकास के लिये विभिन्न अविश्कारो की खोज की 19वीं 20वीं सदी में आकर इसमें अभुतपूर्व वृद्धि हुई है जिससे भारतीय समाज को वृहत स्तर पर प्रभावित भी किया बिजली, टेलीफोन, ऊर्जा, उपग्रह, इन्टरनेट आदि अविष्कार की उपयोगिता सिर्फ राश्ट्र तक सीमित नही है बल्कि इसका प्रभाव सम्पूर्ण विश्व पर देखने को मिलता है ऐसा जरूर कह सकते है कि विकास की लौ कई जल्दी तो कही धीमी गति से पहुंचीं समाज के व्यापक परिप्रेक्ष्य में यदि देखा जाए तो विज्ञान और प्रौद्योगिकी समाज के विकास में प्रमुख सूचक है कोई भी समाज विज्ञान और प्रौद्योगिकी में जितना अधिक उन्नत होगा उसकी आर्थिक स्थिति उतनी ही मजबुत होगीं विज्ञान और प्रौद्योगिकी में हमारे दैनिक जीवन के अनुप्रयोग शामिल है जो समाज की प्रगति को दर्शाते है क्यो कि प्रौद्योगिकी समाज को उन्नति के शिखर की ओर ले जाती हैं

आज विज्ञान और प्रौद्योगिकी समाज को वैज्ञानिक सोच प्रदान कर ग्रामीण क्षैत्रो में समाज का सामाजिक और आर्थिक उत्थान करने में सहयोगी हैं प्रौद्योगिकी का विकास वैज्ञानिक ज्ञान के विकास पर निर्भर रहा है इसे एक उदाहरण द्वारा समझ सकते है प्रारंभिक काल में जलाने के लिए लकडी, हवा ओर जल उर्जा के साधन थे किन्तु जब कोयले की खोज हुई यह उर्जा का माध्यम बना और इसका प्रयोग ईधन के साथ इंजन में होने लगा और इस प्रकार नीत नवीन प्रौद्योगिकी के क्षैत्र में नए आयाम जुडते चले गएं

विज्ञान और प्रौद्योगिकी के कारण मोबाईल, इन्टरनेट, बॉडबेन्ड, वायरलेस आदि लोकप्रिय हुए जिसने सामाजिक मानव की महत्वकांक्षा को आज 3जी , 4$^{जी}$, 5$^{जी}$ टेक्नोलॉजी क्रांति के रूप में देखा जा रहा है वी.एस.एन.एल ने अगस्त 1996 में कार्य प्रारंभ किया पर आज इसके साथ साथ कई निजी कंपनिया सेवा प्रदान कर रही है जिसमें ई–मेल, वाईफाई, वाईमेक्स, टेलीफोन आदि की बेहतर समर्थता ने वैश्विक पहुंच और उद्देश्य को अधिक व्हवहारिक बना दिया हैं प्राचिन काल में संदेशो को भेजने और प्राप्त करने के लिए दूत भेजे जाते थे किन्तु वर्तमान में संचार टेक्नालाजी अत्यंत सराहनीय है जिसमें आधुनिकता और नवीन तकनीक को अंगीकार किया हैं

''आधुनिक समाजिक संरचना में मानवीय जीवनशैली में नई नई प्रौद्योगिकी की एवं वैज्ञानिक अविष्कारों ने जैसे यातायात के साधन, टेलीवीजन, मोबाईल, कम्प्यूटर, रेडियो, इत्यादि सम्प्रेशण के नए नए साधन ने समाज के आर्थिक, समाजिक, धार्मिक, षैशणिक, विकास में उपयोगी उपकरणो ने तीर्व गति से परिवर्तन किया है'' संचार साधनो में टेलीफोन बेतार, तार, माध्यम से सेकण्डो में विष्व के किसी भी कोने में बैठे व्यक्ति से सीधा सम्पर्क स्थापित कर सकते है आज विडियो कान्फ्रेंस के जरिए विदेशो में बेठे व्यक्ति से ऐसे बात करते है जैसे हमारे समकक्ष उपस्थित हो ं संचार के माध्यमो से सामाजिक सम्बधो में निकटता और सुगमता आयी हैं आज हम आवागमन के साधनो से मिनटो, घण्टो में आरामदायक दुरस्त यात्राएं कर सकते है जो सुरक्षित भी हैं आज प्रकृति प्रकोप आदि में इन संसाधनो का प्रयोग कर समाज को बडे स्तर पर सेवाएं दी जा रही हैं आज दुर्गम स्थलो की यात्रा पारिवारिक रिश्तो नातो के संग आसानी से कर रहे है अब बिछडने का गम नही होता बल्कि दोबारा जल्द मिलने की खुशी रहती हैं पहले जिन बातो की कल्पना नही की जाती थीं आज उन्हे सम्भव कर सबको आश्चर्य चकित कर दिया है आज मानव चांद पर पहुंच चुका है इतना ही नही वह अन्य ग्रहो पर भी पहुंचने का प्रयास कर रहा है मंगल ग्रह पर जीवन की सम्भावना की खोज विज्ञान और प्रौद्योगिकी के परिणाम ही हुई हैं

''आधुनिक समाज विज्ञान और प्रौद्योगिकी का युग है मानव जीवन की हर छोटी बड़ी घटना, आवश्यकता का संबंध विज्ञान और प्रौद्योगिकी से जुड़ा है इसका प्रभाव भारतीय आधुनिक समाज में ही नही बल्कि विश्व के विभिन्न समाज में देखने को मिलता है''

मनोंरजन के क्षैत्र में देखे तो टेलीविजन, रेडियो, सिनेमा, आदि माध्यमो का उपयोग एक साधारण व्यक्ति के जीवन में भी देखने को मिल रहा है जो पूर्व के समय से एक दम भिन्न हैं चिकित्सा की बात करे तो प्रौद्योगिकी और विज्ञान निष्ठावान रहा है विभिन्न असाध्य रोगो पर विजय श्री प्राप्त की है सामाजिक जीवन मे स्वास्थ के प्रति जागरूकता प्रदान की है साथ ही रोगो को फैलाने

वाले किटाणुओं की खोज कर उखाड फेकने का सामर्थ्य हासिल किया हैं आधुनिक समाज में मानव जीवन, उसके स्वभाव और कार्य प्रणाली के आधार को समझने की जिजिविशा और रोगो से लडने के प्रयास में प्राद्योगिकी और विज्ञान की अहम भूमिका हैं
आज समाज में विज्ञान का प्रयोग से कृषि के क्षेत्र में किया जा रहा है कृषि एवं मौसम सम्बधी जानकारी, पशु पालन, फसल, अच्छी उपज आदि क्षेत्रो में जीविकापार्जन के अवसर प्राप्त हुए साथ ही सम्बंधित जानकारी एवं समस्याओं के समाधान भी प्रस्तुत किये जाते हैं
विज्ञान और प्रौद्योगिकी समाज के अन्दर दिनो दिन बढती जा रही है जो अनुकुल भी है प्रौद्योगिकी को प्रयोग शिक्षा एवं सेवा क्षैत्र में भी विशेश महत्पूर्ण है उद्योग, बाजार प्रणाली, वाणिज्य, यातायात, चिकित्सा, संसाधन आदि क्षेत्रो में उपयोग कर समाज में मानवीय जीवन से जुड़े उपयोगी पहलुओ को आसान और बेहतर बनाने में इनका उपयोग हो रहा हैं विज्ञान और प्रौद्योगिकी ने आज अंधविश्वास और सडी गली परम्पराओं के प्रति अनाचारो मतभेदो को नष्ट कर सही जानकारी को प्रसारित किया है समाज में मुश्किलो और अंधेरो से भरी जिन्दगी से बाहर निकलने में विज्ञान की अपनी जबरजस्त भूमिका रही है ऐसे में सामाजिक संबधो के अंदर पुरानी परम्पराओ से बधे लोग है अभी भी समाज में विद्यमान है जिन्हे समाज में जाति, धर्म, लिंगभेद, अंधविष्वास, आदि ऐसे विशय है जहां विरोध का सामना करना पडता है ऐसे में सामाजिक विवके महत्वपूर्ण होता हैं विज्ञान समाज में नई खोजों और परिर्वतन में सहायक होता है जो सामाजिक मतभेदो को नष्ट करने में अपनी भुमिका निभाता है साथ ही समाज से जुडे विभिन्न पहुलुओं के प्रति जागरूकता का प्रसार करता हैं प्रौद्योगिकी मनुष्य के उद्वेष्य और समाज के विकास में महत्वपूर्ण विषय एवं वैज्ञानिक चेतना के विकास में कार्यरत हैं समाज के हर क्षेत्र के सतत विकास के चक्र को समझना होगा जो प्रौद्योगिकी पर आधारित है आज ज्यादा से ज्यादा सामाजिक मुद्दो, कार्यो एवं उपकरणो को प्रौद्योगिकी से जोडने के लिए दीर्घकालीन सोच का विकास करना होगां
वर्तमान सरकार भी विज्ञान और प्रौद्योगिकी के प्रति समर्पित है इसके तहत, स्टार्टअप इण्डिया, डिजिटल इण्डिया, स्मॉट इण्डिया आदि कार्यक्रमो का जिक्र आये दिन किया जाता है तथा इन कार्यक्रमो के माध्यम से गठित होने वाली गतिविधियो, प्रयास और उपलब्धियों को प्रदर्षित किया जाता है साथ ही समाज में जागरूकता लाने और वैज्ञानिक सोच को विकसित करने जैसे कार्यक्रमो की पहल की जाती हैं आज हम नई नई चुनोतियो का सामना कर सही आकलन कर समाधान की और अग्रसर हैं आधुनिकी करण के युग में विज्ञान और टेक्नोलाजी का महत्वपूर्ण स्थान है आधुनिक समाज की सामाजिक संरचना एवं क्रियाकलाप सामाजिक रिश्ते नातें आदि में नई नई प्रौद्योगिकी एवं वैज्ञानिक अविष्कारों ने नये नये साधनो समाज के आर्थिक विकास में उपयोंगी उपकरणो आदि ने सामाजिक जीवन में तीर्व गति से परिर्वतन किया हैं अब मानव जीवन में निर्जीव शक्ति का अधिकता से प्रयोग होने लगा जिसका प्रभाव सामजिक प्रतिमानो, सामाजिक परिवेश, सामाजिक जीवनशैली एवं व्यक्ति आदि पर देखा परखा जाता हैं

सन्दर्भ ग्रंथ सूची

01 डॉ. एस.एस. श्रीवास्तव, सूचना प्रौद्योगिकी प्रवेशिका, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी भोपाल, 2007
02 प्रहलाद शर्मा, सूचना प्रौद्योगिकी, पंचशील प्रकाश, जयपुर 2009
03 राजकृष्ण श्रीवास्तव, विकास ओर जन चेतना, वाणी प्रकाशन दिल्ली, 2008
04 डॉ. बलवीर कुन्दरा, जनसंचार, बदलते परिप्रेक्ष्य में, अनुराग प्रकाशन, नई दिल्ली 2010
05 चन्द्रकांत सरदाना, जनसंचार कल आज और कल, आषिश पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली,2010